# 2014

## HINDI

## ( Major )

Paper : 3.2

## ( Bharatiya Kavyashastra )

*Full Marks* : 80

*Time* : 3 hours

*The figures in the margin indicate full marks for the questions*

**1.** पूर्ण वाक्य में उत्तर दीजिए : 1×10=10

(क) 'काव्यादर्श' नामक ग्रंथ के रचयिता कौन हैं?

(ख) आचार्य विश्वनाथ का आविर्भाव किस शती में हुआ था?

(ग) "तददोषौ शब्दार्थौ सगुणावनलंकृती पुनः क्वापि।" यह कथन किस आचार्य का है?

(घ) रस के कितने अंग हैं?

(ङ) लज्जा स्थायी भाव है अथवा संचारी?

(च) वीर रस का स्थायी भाव क्या है?

(छ) 'नीरवता-सी शिला चरण से टकराता फिरता पवमान' में प्रयुक्त 'पवमान' शब्द के सन्दर्भ में किस काव्य-दोष की बात की जाती है?

(ज) जहाँ पर उपमेय का प्रतिषेध करके उपमान की स्थापना की जाय, वहाँ कौन-सा अलंकार होता है?

(झ) आचार्य भट्ट लोल्लट के अनुसार भरत मुनि के रस-सूत्र में प्रयुक्त 'संयोग' शब्द का तात्पर्य क्या है?

(ञ) 'काव्यालंकारसूत्रवृत्ति' नामक ग्रंथ की रचना किस आचार्य ने की है?

**2.** अति संक्षिप्त उत्तर दीजिए : 2×5=10

(क) 'शब्दार्थौ सहितौ काव्यम्' का आशय बताइए।

(ख) मुक्तक काव्य किसे कहते हैं?

(ग) रसानुभूति के सन्दर्भ में 'सत्वोद्रेक' का तात्पर्य स्पष्ट कीजिए।

(घ) अलंकार को परिभाषित कीजिए।

(ङ) छन्द क्या है?

**3.** किन्हीं **चार** प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर दीजिए : 5×4=20

(क) अभिधा शब्दशक्ति का विवेचन कीजिए।

(ख) रस के महत्त्व पर प्रकाश डालिए।

(ग) संचारी भाव पर टिप्पणी प्रस्तुत कीजिए।

(घ) "रमणीयार्थप्रतिपादकः शब्दः काव्यम्।" प्रस्तुत काव्य-लक्षण की उपयुक्तता पर विचार कीजिए।

(ङ) करुण रस का परिचय दीजिए।

(च) वक्रोक्ति सिद्धान्त को आचार्य कुन्तक की देन का मूल्यांकन कीजिए।

**4.** निम्नलिखित प्रश्नों के सन्तुलित उत्तर दीजिए : 10×4=40

(क) काव्य-प्रयोजन का आशय बताते हुए आचार्य मम्मट द्वारा स्वीकृत काव्य-प्रयोजनों पर प्रकाश डालिए।

**अथवा**

माधुर्य, ओज और प्रसाद—इन तीनों काव्य-गुणों पर सोदाहरण विवेचन कीजिए।

(ख) साधारणीकरण का तात्पर्य बताते हुए उसके स्वरूप पर प्रकाश डालिए।

**अथवा**

अलंकार सम्प्रदाय का ऐतिहासिक परिचय प्रस्तुत कीजिए।

(ग) 'रीति' किसे कहते हैं? रीति सम्प्रदाय को आचार्य वामन की देन का मूल्यांकन कीजिए।

**अथवा**

'ध्वनि' का आशय बताते हुए गुणीभूत व्यंग्य-काव्य के भेदों पर सोदाहरण विचार कीजिए।

(घ) उदाहरण एवं संघटना के साथ निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** अलंकारों का परिचय दीजिए :

यमक ; उत्प्रेक्षा ; अतिशयोक्ति ; विरोधाभास।

**अथवा**

निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** छन्दों का सम्यक् परिचय प्रस्तुत कीजिए :

सवैया ; गीतिका ; कुण्डलिया ; सोरठा।

★★★